

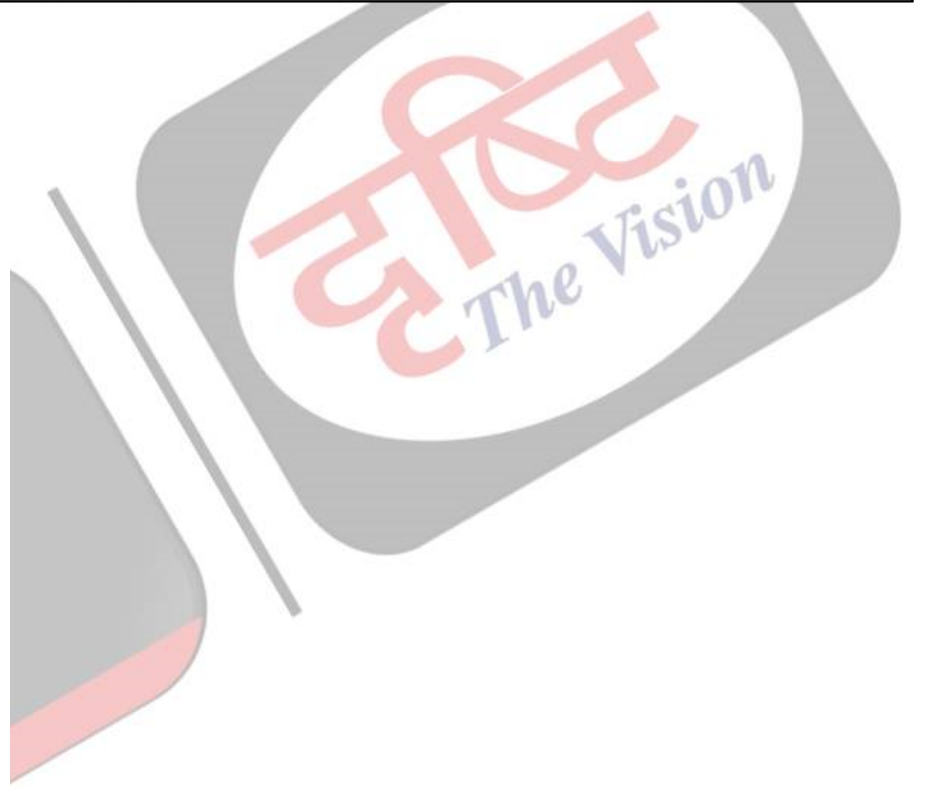
वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

प्रलम्ब के लिये:

FATF, ग्रै लसिट, ब्लैक लसिट, G7, OECD, यूरोपीय आयोग, खाड़ी सहयोग परिषद, ML/TF और WMD का मुकाबला करने के लिये भारत की पहल ।

मेन्स के लिये:

मनी लॉन्ड्रिंग, भारत और उसके पड़ोस, महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान



//

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल:

परिचय:

- FATF वैश्विक [मनी लॉन्ड्रिंग](#) और [आतंकवादी वित्तपोषण](#) निगरानीकर्त्ता है जिसकी स्थापना वर्ष 1989 में [G-7](#) देशों की पेरिस में आयोजित बैठक में की गई थी ।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के उपायों की जाँच और विकास करना था ।
- अमेरिका पर 9/11 के हमलों के बाद वर्ष 2001 में FATF ने आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के प्रयासों को शामिल करने के लिये अपने जनादेश का विस्तार किया ।

- अप्रैल 2012 में इसने [सामूहिक वनिश के हथियारों \(WMD\)](#) के प्रसार के वित्तपोषण का मुकाबला करने के प्रयासों को जोड़ा।
- **FATF अनुशासक:**
 - अप्रैल 1990 में, इसकी स्थापना के एक वर्ष से भी कम समय में FATF ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग से नपिटने के लिये आवश्यक कार्रवाई की एक व्यापक योजना प्रदान करने के उद्देश्य से 40 **सफारिशों** का एक सेट शामिल था।
 - वर्ष 2004 में FATF ने नौवीं वशिष सफारिशों प्रकाशित कीं, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण से नपिटने के लिये सहमत अंतरराष्ट्रीय मानकों को और मज़बूत करते हैं। इस प्रकार FATF की कुल 40+9= 49 सफारिशें हो गई हैं।
 - 2012 में एफएटीएफ ने अपनी सफारिशों को संशोधित किया और डब्ल्यूएमडी के प्रसार के वित्तपोषण जैसे नए खतरों से नपिटने के लिये उनका वसितार किया।
 - वर्ष 2012 में FATF ने अपनी सफारिशों को संशोधित किया और WMD के प्रसार के वित्तपोषण जैसे नए खतरों से नपिटने के लिये उनका वसितार किया।
 - दुनिया भर के 200 से अधिक न्यायालय नौ कषेत्रीय नकियों और FATF सदस्यता के वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से FATF सफारिशों के लिये प्रतबिद्ध हैं।
- **FATF सत्र/अधविशन:**
 - एफएटीएफ प्लेनरी (FATF Plenary) FATF की नरिणय लेने वाली संस्था है।
 - प्रतविष तीन बार इसके सत्र का आयोजन किया जाता है।

FATF के सदस्य और पर्यवेकषक:

- **सदस्य:**
 - FATF में वर्तमान में 37 सदस्य नकियाय हैं जो दुनिया के के लगभग सभी हिसिों के सबसे प्रमुख वित्तीय केंद्रों का प्रतनिधित्व करते हैं।
 - 39 सदस्यों में से दो कषेत्रीय संगठन हैं: [युरोपीय आयोग](#), और [खाड़ी सहयोग परिषद](#)।
 - FATF के सदस्य देशों में शामिल हैं:
 - अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हॉन्गकॉन्ग (चीन), आइसलैंड, भारत, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, लक्ज़मबर्ग, मलेशिया, मेक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, रूस, सऊदी अरब, सगिपुर, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्वटिज़रलैंड, तुर्की, यूके और यूएस।
- **भारत और FATF:** भारत वर्ष 2006 में 'पर्यवेकषक' देशों की सूची में शामिल हुआ और वर्ष 2010 में FATF का पूर्ण सदस्य बन गया।
 - भारत FATF के कषेत्रीय साझेदारों, [एशिया पैसफिकि ग्रुप \(APG\)](#) और यूरेशियन ग्रुप (EAG) का भी सदस्य है।
- **पर्यवेकषक:**
 - [इंडोनेशिया](#) FATF का एकमात्र पर्यवेकषक देश है।
 - कुछ महत्त्वपूर्ण संगठन जिन्हें FATF के साथ पर्यवेकषक का दर्जा प्राप्त है, उनमें शामिल हैं:
 - [एशियाई विकास बैंक \(ADB\)](#)
 - [अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष \(IMF\)](#)
 - [अंतरराष्ट्रीय प्रतभित्तिआयोग संगठन \(IOSCO\)](#)
 - [इंटरपोल](#)
 - [आर्थिक सहयोग और विकास संगठन \(OECD\)](#)
 - [ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय \(UNODC\)](#)
 - [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-नरिधक समिति \(UNCTED\)](#)
 - [वशिव बैंक](#)
 - [वशिव सीमा शुल्क संगठन \(WCO\)](#)

FATF के अध्यक्ष:

- FATF का अध्यक्ष FATF प्लेनरी द्वारा अपने सदस्यों में से नयुक्त एक वरिष्ठ अधिकारी होता है।
 - वह FATF प्लेनरी और संचालन समूह की बैठकों को बुलाता है और उनकी अध्यक्षता करता है तथा FATF सचवालय की देखरेख करता है।
 - वह FATF का प्रमुख प्रवक्ता है और वैश्विक स्तर पर FATF का प्रतनिधित्व करता है।
- अध्यक्ष का कार्यकाल 1 जुलाई से शुरू होता है और पद संभालने के दो वर्ष बाद 30 जून को समाप्त होता है।
 - **टी. राजा कुमार (सगिपुर)** FATF के वर्तमान अध्यक्ष हैं जिन्होंने जुलाई 2022 में पदभार संभाला था।

FATF सचवालय:

- इसका सचवालय पेरिस में [आर्थिक सहयोग और विकास संगठन \(OECD\)](#) मुख्यालय में स्थित है।
- सचवालय FATF सदस्यता और वैश्विक नेटवर्क के मूल कार्य का समर्थन करता है।
- **FATF सचवालय** और अन्य सेवाओं के लिये धन **FATF वार्षिक बजट** द्वारा प्रदान किया जाता है जिसमें सदस्य योगदान करते हैं।

FATF की ग्रे और ब्लैक लिस्ट:

- **परिचय:** FATF प्लेनरी [FATF का नरिणय लेने वाले नकिया को FATF प्लेनरी (FATF Plenary) कहा जाता है] की नरिणय करने वाले देशों की "पारस्परिक मूल्यांकन रपिर्ट्स" (MER) के लिये प्रतविर्ष तीन बार (फरवरी, जून और अक्टूबर) इसके सत्र का आयोजन होता है।
 - AML/CFT का अर्थ "धन शोधन रोधी/आतंकवाद के वतितपोषण का मुकाबला करना" है।
 - **ग्रे लसिट से बाहर नकिलने के लिये** कसिी देश को FATF द्वारा अनुशंसति कार्यों को पूरा करना होता है, उदाहरण के लिये आतंकवादी समूहों से जुड़े वयक्तियों की संपत्तियों को जब्त करना।
 - अगर FATF प्रगतसे संतुष्ट है, तो वह देश को लसिट से कर सकता है।
- **ग्रे लसिट:** जनि देशों को टेरर फंडगि और मनी लॉन्डरगि का समर्थन करने के लिये सुरकषति स्थल माना जाता है, उन्हें FATF की ग्रे लसिट में डाल दया जाता है।
 - यह उस देश के लिये एक चेतावनी के रूप में कार्य करता है कि उसे ब्लैक लसिट में शामिल कया जा सकता है।
- **ब्लैक लसिट:** ब्लैक लसिट में उन असहयोगी देशों या कषेत्रों (Non-Cooperative Countries or Territories-NCCT) को शामिल कया जाता है जो आतंकी फंडगि और मनी लॉन्डरगि गतविधियों का समर्थन करते हैं।
 - अभी तक **ईरान, उत्तर कोरया और म्यांमार** तीन देश ब्लैक लसिट में हैं।
 - वर्ष 2021 में **म्यांमार में तखतापलट** के बाद सैन्य नेतृत्व की कारवाइयों के कारण उसे इस सूची में शामिल कया गया है।
- **FATF की सूची में सूचीबद्ध होने का परिणाम:**
 - FATF (IMF, World Bank, ADB) से संबद्ध वतित्तीय संस्थानों से **आर्थिक प्रतबिध**।
 - वतित्तीय संस्थानों और देशों से **ऋण प्राप्त करने में समस्या**।
 - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कमी**।
 - **अंतर्राष्ट्रीय बहषिकार**।
- **भारत, पाकस्तान और FATF ग्रे लसिटगि:** हाल ही में FATF ने "पाकस्तान की महत्त्वपूर्ण प्रगत" की सराहना करते हुए पाकस्तान को ग्रे लसिट से हटा दया।
 - पाकस्तान को **चार साल के बाद सूची से हटाया गया** है। पाकस्तान को पहली बार वर्ष **2008 में सूची** में शामिल कया गया था, वर्ष **2009** में इस सूची से हटा दया गया और **2018** में फरि से सूची में शामिल करने से पहले यह वर्ष **2012 से वर्ष 2015** तक पुनः नगिरानी के अधीन रहा।
 - **भारत ने पाकस्तान को सूची से हटाने के नरिणय पर सहमति वयक्त की, क्योंकि बाद में उसने नामति आतंकवादियों के खलाफअपनी कारवाइ के "दस्तावेज़ी साकष्य" प्रस्तुत कये थे।**
 - "ग्रे लसिट" से नकाले जाने के परिणामस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने आतंकवाद के प्रयोजन के संबंध में **पाकस्तान को क्लीन बलि ऑफ़ हेल्थ के रूप में स्वीकार** कया है जिससे पाकस्तान की प्रतषिठा को मज़बूती मिलेगी।

FATF से जुड़े मुद्दे:

- सदस्य राज्यों में **FATF कोड को अपनाने और लागू करने** से जुड़ी चुनौतियों में शामिल हैं:
 - घरेलू समन्वय में कठिनाई
 - देशों की कषमता की कमी
 - अपर्याप्त परिचालन संसाधन
 - FATF मानकों के कार्यान्वयन में जटलिताएँ
- **AML/CFT के लिये** नई प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों में शामिल हैं:
 - ML/TF (मनी लॉन्डरगि/टेरर फंडगि) खतरों और जोखिमों की कम समझ।
 - ML/TF जोखिमों को पर्याप्त रूप से पहचानने, मूल्यांकन करने और कम करने में असमर्थता।
 - पारंपरिक जोखिम मूल्यांकन उपकरण बड़े पैमाने पर डेटा का वशिलेण करने की अनुमति नहीं देते हैं, जो जोखिमों के अधिक सूक्ष्म दृश्य प्रस्तुत करने के लिये सहसंबंध तथा वशिलेण की कषमता को सीमति करते हैं।
- ML/TF को **प्रोत्साहति करने वाले अन्य कारकों** में शामिल हैं:
 - **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच** समन्वय की कमी और कानूनों का अत्यधिक दबाव।
 - राष्ट्रीय नयामक योजनाओं में कमियाँ।
 - **अनौपचारिक हस्तांतरण और राष्ट्रीय सीमाओं** के पार संपत्तिका संचलन।
 - नजि गैर-राज्य अभिकर्त्ताओं (वतित्तीय और गैर-वतित्तीय संस्थानों) के लिये **जोखिम दृष्टिकोण को लागू करने की उच्च लागत**।

FATF का सुदृढीकरण:

- **जोखिम आकलन:** जोखिमआधारति दृष्टिकोण एक प्रभावी AML/CFT प्रणाली की आधारशला होनी चाहिये जो जोखिमों को सही ढंग से प्रबंधति करने के लिये आवश्यक है। जोखिमों से संबंधति सुदृढ ज्ञान (Robust Knowledge) और जागरूकता, जो आनुपातिक रूप से **जोखिमों को कम करने व संबोधति करने की कषमता** की अनुमति देता है, FATF मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- **डेटा साझाकरण:** डेटा एकत्र करने और संसाधति करने के साथ-साथ इसे हतिधारकों के बीच साझा करने की एक बड़ी कषमता ML/TF का मुकाबला करने में महत्त्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकती है।
- **आधुनिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग:** मशीन लर्नगि और अन्य आर्टफिशियल इंटेलिजेंस आधारति टूल का अनुप्रयोग जो वास्तविक समय पर त्वरति और अधिक सटीक डेटा वशिलेण की अनुमति देता है, उपर्युक्त मुद्दों का समाधान प्रदान कर सकता है।

वतित्तीय अपराधों को रोकने के लिये की गई अन्य पहल:

■ मनी लॉन्ड्रिंग:

○ वैश्विक:

- **वियना कन्वेंशन 1988:** इस कन्वेंशन में ड्रग तस्करी से प्राप्त धन की वैधता के अपराधीकरण के लिये सदस्य राज्यों को बाध्य करके मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के प्रयासों के लिये आधार तैयार किया गया था।
- यह नशीली दवाओं की तस्करी से धनशोधन के अपराध हस्ताक्षरकर्त्ता राज्यों के लिये एक दायित्व बनाता है।
 - भारत इस कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्त्ता है।
- **G-10 की बेसल समिति के सिद्धांत:** इसमें "सिद्धांतों का वविरण" जारी किया गया है और सदस्य देशों के अंतर्राष्ट्रीय बैंकों से इसके अनुपालन की अपेक्षा की जाती है।
 - भारत RBI के साथ अपने संस्थागत प्रतिनिधि के रूप में बेसल समिति का सदस्य है।
- **IOSCO:** अपने सदस्यों को प्रतिभूतियों और वायदा बाजारों में मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिये प्रोत्साहित करता है।
 - भारत IOSCO बोर्ड का सदस्य है।
- **ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC):** सक्रिय रूप से मनी लॉन्ड्रिंग की पहचान करने और उसे रोकने का प्रयास करता है।
 - भारत UNODC का सदस्य है।
- **पलेरमो कन्वेंशन 2003:** इसे अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNTOC) के रूप में जाना जाता है, यह अनुसमर्थन करने वाले देशों को घरेलू कानून के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधीकरण और सभी गंभीर अपराधों को ML वधिय अपराधों के रूप में मानने के लिये बाध्य करता है।
 - ML के सभी रूपों को रोकने और पता लगाने के लिये नियामक शासन स्थापित करता है।
 - भारत वर्ष 2002 में UNTOC में शामिल हुआ था और वर्ष 2011 में इसकी पुष्टि की थी।

○ भारत:

- **धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA):** धन शोधन से निपटने के लिये भारत द्वारा स्थापित कानूनी ढाँचे का मूल रूप है। इसमें आखिरी बार वर्ष 2012 में संशोधन किया गया था।
- **वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (FIU-IND):** स्वतंत्र निकाय वित्त मंत्रि की अध्यक्षता वाली आर्थिक खुफिया परिषद (EIC) को सीधे रिपोर्ट करता है।
- **प्रवर्तन निदेशालय (ED):** एक कानून प्रवर्तन एजेंसी और आर्थिक खुफिया एजेंसी जो भारत में आर्थिक कानूनों को लागू करने एवं आर्थिक अपराधों से निपटने के लिये ज़िम्मेदार है।
 - ED के मुख्य कार्यों में से एक मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों की जाँच करना है।

■ टेरर फंडिंग:

○ वैश्विक:

- **आईएमएफ:** इसने अपने 189 सदस्य देशों पर आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करने हेतु दबाव डाला है।
- **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौता (CCIT):** इसके प्रमुख उद्देश्यों में आतंकवाद की सार्वभौमिक परिभाषा को UNGA के सभी सदस्य देशों द्वारा अपने आपराधिक कानूनों में अपनाया जाना, सभी आतंकी संगठनों को प्रतिबंधित करना, विशेष कानूनों के तहत सभी आतंकवादियों पर मुकदमे चलाना, वैश्विक स्तर पर सीमा-पार आतंकवाद को प्रत्यारपण योग्य अपराध घोषित करना शामिल था।
 - भारत द्वारा वर्ष 1996 में CCIT का प्रस्ताव रखा गया था।
- **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद वरिधी सम्मेलन 2022:** इसका आयोजन वैश्विक आतंकवाद रोधी परिषद (Global Counter Terrorism Council- GCTC) द्वारा किया गया था।

○ भारत:

- **'गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) संशोधन अधिनियम'** भारत में लागू एक महत्वपूर्ण आतंकवाद वरिधी कानून है।
- आतंकवाद वरिधी मुद्दे पर **भारत के वार्षिक संकल्प को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** की पहली समिति में सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- **राष्ट्रीय सुरक्षा गारड (NSG)** एक अर्द्ध-सैनिक बल है जो मुख्य रूप से आतंकवाद रोधी और अपहरण रोधी अभियानों हेतु उत्तरदायी है।

■ सामूहिक वनिश के हथियारों का प्रसार:

○ वैश्विक:

- WMD के प्रसार को न्यंत्रित करने के प्रयास अंतर्राष्ट्रीय समझौतों जैसे-**1968 की परमाणु अप्रसार संधि**, वर्ष 1972 का **जैविक हथियार सम्मेलन** और वर्ष 1993 का **रासायनिक हथियार सम्मेलन** में नहित हैं।
 - भारत 1968 की परमाणु अप्रसार संधि का हस्ताक्षरकर्त्ता नहीं है।

○ भारत:

- भारत ने सामूहिक वनिश के हथियारों और उनकी वितरण प्रणालियों के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिये एक अधिनियम बनाया है, जिसे **सामूहिक वनिश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) अधिनियम, 2005** के रूप में जाना जाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????? ?????:

प्रश्न. चर्चा कीजिये कि कैसे उभरती प्रौद्योगिकियाँ और वैश्वीकरण मनी लॉन्ड्रिंग में योगदान करते हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मनी लॉन्ड्रिंग की समस्या से निपटने के लिये वसित्त उपाय क्या है। (2021)

प्रश्न. आतंकवाद की जटिलता और तीव्रता, इसके कारणों, संबंधों और अनुचित साँठगाँठ का विश्लेषण कीजिये। आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने के लिये आवश्यक उपाय भी सुझाइये। (2021)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/financial-action-task-force-fatf>

